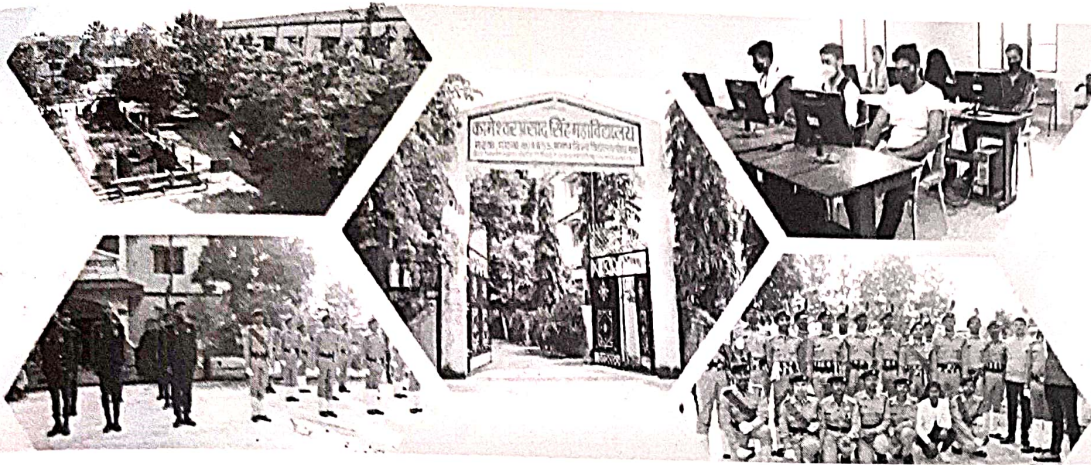


College Introduction / महाविद्यालय परिचय...



40

Glorious Years
यशस्वी वर्ष

Kameshwar Prasad Singh College, Nadwan (Patna) popularly known as KPS College, Nadwan is a premier institute of higher education in Dhanarua sub-division of Patna District. Situated about 30 km towards western fringe of Patna District on Patna – Gaya – Dovi highway. The College has started its journey on 15th August 1983 with a vision to open gateway of higher studies for the local rural youths of Nadwan- Dhanarua locality.

This College was established by renounced physiotherapist Dr. Gauri Shankar Sharma in the name of his father, a freedom fighter Late Kameshwar Prasad Singh popularly known a 'DEPUTY SAHEB' Babu Kameshwar Prasad Singh born in 1905 in a peasant family. Later in his life he joined freedom struggle and participated in the QUIT INDIA MOVEMENT, launched by Mahatma Gandhi in year 1942. He was very close associate of Dr. Sri Krishna Singh, the first Chief Minister of Bihar. He also served as DEPUTY CHAIRMAN of Masaurhi Union Board. After independence from British Rule in 1947, he served as first elected head of Village Panchayat, Nadwan from 1952 to 1996. He also served as President of the Masaurhi Congress Committee from 1948 to 1962. As ahead of village Panchayat, he initiated and completed several developmental projects in the area. He established a Higher School in his native Village Nadwan which later took over by Bihar State Govt. Babu Kameshwar Singh left us for his heavenly abode on 18th August 2001. We college family always express our sincere gratitude towards such a great soul whose moral strength always guide us to follow the correct path.

This college is a co-educational institution presently imparting under graduate level Degree in 21 subjects in Humanities, Social Science & Science streams. This college is permanently affiliated by Patliputra University, Patna. It is also recognized U/S 2(f) & 12B of UGC act 1956.

The infrastructure of college is well developed and spread over in approx. four acres of landed area. Three acres of land is vacant for sports activities. It has got capacity to accommodate about 1500 students in one sitting. Separate Laboratories of Physics, Chemistry, Botany, Zoology, Home Science, Geography and Psychology are available and equipped with all modern apparatus. It's central library has 12000 books holding. There is a large reading-room connecting the library with capacity to accommodate about 40 learners at a time. Modern Computer Lab., Smart Class-Room and a Seminar Hall is also available. In order to provide uninterrupted power supply during theory Class/Lab. Hours a 50 KVA electronic transformer and 15 KVA silent gen-set is available. 40 highly qualified teaching faculty members and 60 Non-Teaching staffs are serving this College. About 2000 students get enrollment in this college each year.

The institution is also actively involved in extension activities to help society by its services. The College has units of NSS (National Service Scheme) & NCC (National Cadet Corps), the outreach and community-centered events are organised under the aegis of NSS and NCC and are significant in the regard as they involve students from different disciplines.

It is a matter of pride that the college has completed forty glorious years of quality knowledge dissemination, now by virtual of this dedicated scholarly pursuits the college is striving to achieve new heights.



40
Glorious Years
यशस्वी वर्ष

सचिव के कलम से.....

पुण्यश्लोक पिता स्व० कामेश्वर प्रसाद सिंह की आकांक्षा का यह प्रतिमान के०पी०एस० कॉलेज, नदवाँ आज अपने सम्यक् स्वरूप को प्राप्त कर एक वृहद् प्रक्षेत्र को ज्ञानानुरंजित करने में जिस भूमिका को निर्वाहित कर रहा है वह अपने आप में उपलब्धि जनित है। इन्टर से लेकर डिग्री स्तर तक कई हजार विद्यार्थियों का नामांकन जहाँ इसके समुचित शैक्षणिक प्रबंधन की विशेषता को दर्शाता है, वहीं कॉलेज कैम्पस में प्रवेश करते ही यहाँ के वाणिकी प्रबंधन से कोई भी आगंतुक मुग्ध हुए बिना नहीं रह सकता। कॉलेज के स्थापना काल से आज तक सचिव की भूमिका निर्वाहित करते हुए मैंने अपनी जवानी को विसर्जित कर वार्द्धक्य को वरण कर लिया। परन्तु अपने इस कृत्य पर हमें गर्व है कि स्व० पिता श्री के स्वप्न को साकार कर सका, अरमानों को जीवंत बना सका।

महाविद्यालय स्थापना काल के उस प्रारंभिक दौर की बात जब याद आती है तब मन आज भी अशांत हो जाता है। शुभ और जनहित के कार्य में भी तब कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। पर आज अपने शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मियों के सकारात्मक चिंतन, कर्मनिष्ठा शैक्षणिक परिवेश के निर्माण के सतत् प्रयत्नशीलता तथा कॉलेज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका को निर्वाहित करते देख मन प्रफुल्लित हो जाता है। पिताजी कहा करते थे- “सही शिक्षक वही है, जो अपने शिक्षण कार्य के बदौलत सम्मान प्राद्यपत करे।” पिताजी का यह कथन यहाँ के शिक्षकों पर शत-प्रतिशत लागू होता है। कारण है यहाँ के ज्यादातर शिक्षक सुयोग्य एवं प्रज्ञावान हैं। यही कारण है कि विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावक भी यहाँ के शिक्षकों के प्रति अपने अतः करण में भरपूर श्रद्धा एवं सम्मान लिए नजर आते हैं।

पठन-पाठन के सुखद और रुचिकर माहौल में विभिन्न विषयों पर सेमिनार आयोजन के साथ विषय-विशेष पर केन्द्रित स्मारिका प्रकाशन के मामले में यह कॉलेज अपना एक अलग दर्प प्रदर्शित करते नजर आता है। कहा जाता है बौद्धिकता प्रसारण के तीन आयाम होते हैं- (1) लेखन (2) पाठन एवं (3) अभिव्यक्ति। तीसरा आयाम पूर्व के दोनों आयामों पर ही निर्भर है, फिर भी उसका मूल्य दोनों से कतई कमतर नहीं आँका जा सकता। पढ़ने-लिखने के साथ अभिव्यक्ति की चेतना ही विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के अलावे लेखन से जुड़े किसी भी व्यक्ति को बौद्धिक गतिशीलता एवं जीवंतता प्रदान करती है। इसके बिना यशस्विता की कामना नहीं की जा सकती।

बड़े हर्ष के साथ आपको सूचित करना है कि महाविद्यालय परिवार ने शैक्षिक वर्ष 2023-24 से (UG) Undergraduate पाठ्यक्रम में एक नई पहल ली है, जो कि 4 वर्षों का है और CBCS प्रणाली के अंतर्गत है। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, हमने इस नए पाठ्यक्रम को अपनाया है।

यह पाठ्यक्रम छात्रों को एक नया और सरल शैक्षणिक मार्ग प्रदान करता है, जो उनकी कौशल, ज्ञान और व्यक्तित्व के विकास में मदद करता है। इसके माध्यम से हम छात्रों को उच्चतम शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक क्षमताओं को भी विकसित करने का मौका प्रदान करते हैं।

हमारी प्राध्यापक समूह और शैक्षणिक नेतृत्व द्वारा नीति के अनुसार निर्धारित किए गए नए पाठ्यक्रम, अध्ययन सामग्री और शैक्षणिक प्रक्रियाएँ, हमें आपकी शैक्षणिक यात्रा को विशेष और उत्तम बनाने में मदद करेंगी। हम छात्रों को सम्पूर्ण विकास के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रहे हैं, जिसमें सांस्कृतिक, सामाजिक, और व्यक्तिगत दक्षताओं का समावेश है।

हम आपको हमारे महाविद्यालय के प्रोस्पेक्टस में नई शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन के संकेत के रूप में अधिक जानकारी प्रदान करने के लिए उत्सुक हैं। हमें आपका महाविद्यालय में स्वागत करने का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

मुझे गर्व है कि हमारा कॉलेज नवाचारों को स्वागत करता है और छात्रों को एक उच्चतम शिक्षा अनुभव प्रदान करता है। हम संघर्षशील रहेंगे और नवाचार की ओर अग्रसर होते रहेंगे।

धन्यवाद।

(डॉ० गौरी शंकर शर्मा)

सचिव, शासी निकाय

(कामेश्वर प्रसाद सिंह महाविद्यालय, नदवाँ)

